Title: Regarding participation of Bhojpuri and Avadhi Scholars and artists in the Vishva Hindi Sammelan to be held in Surinam.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, 5 जून से 9 जून, 2003 तक सूरीनाम की राजधानी पारामारिबो में विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें भारतीय मूल के 25-30 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। सूरीनाम की कुल आबादी में 30-40 प्रतिशत भारतीय मूल के लोग है। 1873 ई. में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और देश के कुछ अन्य भागों से गिरमिटिया मजदूरों के रूप में भारतीय सूरीनाम गए थे। सूरीनाम में बसे भारतीयों में 80 प्रतिशत आबादी पूर्वी उत्तर प्रदेश, 18 प्रतिशत बिहार और दो प्रतिशत देश के अन्य भागों के लोगों की है। यानी सूरीनाम में बसे कुल भारतीय आबादी के लोगों में से लगभग 98 प्रतिशत लोग भोजपुरी और अवधी भाषा बोलने वाले हैं। इस सम्मेलन में देश के हिन्दी के विद्वान जा रहे हैं।

महोदय, हमारा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उस सम्मेलन में भोजपुरी, हिन्दी विद्वान, अवधी और हिन्दी विद्वानों को भी सम्मिलित किया जाए ताकि वहां के जो भारतीय मूल के निवासी हैं, वहां के लोगों का और यहां के निवासियों का सांस्कृतिक संस्कार का मेल-जोल हो सके। वहां जो भी कलाकार जाएं, वे भोजपुरी और अवधी भाषा के भेजे जाएं, क्योंकि उसी भाषा के लोग सूरीनाम में ज्यादा संख्या में रहते हैं, यही हमारा आपसे निवेदन है।â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : महोदय, प्रभुनाथ सिंह जी ठीक कह रहे हैं, मैं भी इनकी बात का समर्थन करता हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : महोदय, हम भी एसोसिएट करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इस विषय पर बहुत चर्चा हो चुकी है, मैंने सभी के नाम एसोसिएट कर दिए हैं।

â€¦ (व्यवधान)